कोद्भि n. frumentum quoddam, quo egeni vescuntur, paspalum frumentaceum. BHAR. 2.98.

कीप m. (r. कुत् s. म्र) ira, iracundia.

कोपन (r. कुपू s. म्रन) 1) iracundus. MAH. 1.1354. 2) iratus. UR. 60.18.

कामल (fortasse cum कुमार cohaeret sicut कुमाल q.v. cum कुमार 1) tener, debilis. Lass. 92.9: कोमलः पाणिर अस्या:; HIT.15.9: अहम् अल्पशक्तिर दन्ताश्च मे कोमला:; RAGH. 9.45. 2) lenis, mollis, placidus de sono. BHAR. 1.97. 3) gratus, jucundus, amoenus. Lass. 52.17: वृद्धान् ... सुकोमलान्

कीएक m.n. gemma floris. AM.

কালে m. aper. (Lith. kuilys id., kiaule porca; hib. cullach aper; gr. পূর্তাত্ত্ত্তে,)

कोलाहल m. tumultus, strepitus, fremitus. HIT. 106.11. SAK. 27.2. infr.

काञिद (ut videtur, e की, nomin.m. interr. et ञिद a r. ञिद् scire s. म्र) gnarus. N. 1. 1.

নামূ m. (r. কুলু s. ম্ল) 1) gemma floris. RAGH. 3.8.13.29.
2) vagina. N. 10.18. 3) aurum factum et rude, gaza, thesaurus. Dr. 4.11. (Scribitur etiam নাম, hib. gucog «a bud, sprout».)

काशल m.pl. nomen regionis. N.9.23.

कीष m. i.q. कीश. N. 26.19.

कील्या (ex का q.v. et उल्या calidus) tepidus. RAGH. 1.84. कीचेयक m. (a कुचि venter s. एयक) ensis, gladius. Am.

कौतुक n. (a कुतुक s. म्र) 1) magna laetitia, eximia voluptas. P.21. Bhar. 3.15. 2) curiositas, cupiditas et studium novarum rerum. Hit. 80.4.123.15. Up. 80. 3) matrimonium, nuptiae. Ragh. 11.53:: কান্যানেন্যকীন্কিলাম্ — ত্রিনিন্ন: (Schol. Calc. কীনুকক্রিন্যাম্ — ত্রিলাইন্বেম্).

कीतृहल n. (a कुतृहल s. म्र) 1) voluptas. Sa. 4.26. 2) curiositas c. loc. rei. MAH. 1.2284.: विस्तामवर्ण जातङ् कीतृहलम् म्रतीव मे

कीन्तेय m. (a कुन्ती s. एय) Kuntiå natus.

कीमार (a कुमार puer s. म्र) 1) puerilis, juvenilis. SA. 6.11.

कीमुद m. (a कुमुद q.v. s. म्र) luna; cf. कुमुदिनीनायक कीमुदी f. (a praec. signo fem. ई) 1) lumen lunae. 2) festum.

कीर्ट्य m. (a कुरू s. स., v. gr. 650.) Kurûs progenies, a Kuru descendens. H. 1. 19.

कीश (Fem. कीशी, a कुश s. म्र) e gramine kusa dicto confectus. SA. 3. 4.

कीशल n. (a कुशल q.v. s. म्र) 1) felicitas. 2) dexteritas. BH. 2.50.

काैशिक (a कुश s. इक्) 1) i.q. कीश. Dr. 3.1. 2) ulula. Hrr. 119.14.

क्रंस् 1. et 10. 4.: क्रंसे, क्रंसये (भासने, scribitur क्रस्, gr. 110°).) splendere.

क्रथ् 1. et 10. p. (हिंसायाम् k. वधे r.) laedere, occidere. (Cf. क्रथ् et क्तथ्, ratione habitâ, litteras liquidas facile inter se permutari. Fortasse huc pertinet gr. KTEN, ita ut litteris transpositis ortum sit e KNET.)

क्रस् 4. म् (ह्रवृतिभासनयो:) inflexum esse; splendere.

क्त 9. P. (प्राडदे) sonare. Cf. कु.

क्र 9. P. A. id.

क्रूप् 1.4. (शब्दे र उर्गन्धे मार्द्रत्वे शब्दे र.) sonare; foetere; madidum esse. (Cf. पृयु foetere.)

कार 1. P. (हर्कने में की हिल्ये P.) inflexum esse.

क्रकाच m.n. serra. Am.

क्रतु m. (pro कर्तु, a r. कु s. तु) 1) sacrificium. N. 5. 46. 2) in dial. vedica a) perfector. RIGV. p. 26. 2. b) potentia. RIGV. p. 28. 1. (Cf. gr. κράτος.)

क्रिय् 1. et 10. r. क्रथामि, क्राथयामि (हिंसायाम् r. वधे r.) occidere; v. क्रथ

ক্লামন n. (r. ক্লাম্ s. স্থন) caedes. Am.

क्राद् 1. 4. i. q. क्रान्द्

স্নন্ধ 1. г.л. clamare, flere, lamentari, ejulare. RAGH. 14. 68.: सा ... चक्रान्द विग्ना क्रासी 'व भूय:; 15.42.: